Annals of the Bhandarkar Oriental Research Institute

CERTIFICATE OF PUBLICATION

This is to certify that the article entitled

भारत में पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर के कारण अध्ययन के तौर पर पत्रकारिता में आई गिरावट पर एक शोध पत्र

Authored By

डॉ आँचल प्रवीण

Principal
Lucknow Public College of Professional Studies
Vinamra Khand, Gomtinagar, Lucknow

UGC
University Grants Commission

Published in Vol. CI, Issue-12, 2024
Annals of the Bhandarkar Oriental Research Institute with ISSN : 0378-1143
UGC-CARE List Group I
Impact Factor: 6.5

Annals of the Bhandarkar Oriental Research Institute
ISSN: 0378-1143

भारत में पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर के कारण अध्ययन के तौर पर पत्रकारिता में आई गिरावट पर एक शोध पत्र

डॉ आँचल प्रवीण

सहायक प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज।

परिचय:

भारत में पत्रकारिता एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो समाज में जानकारी के प्रसार और लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में, भारत में पत्रकारिता के स्तर में गिरावट देखी गई है, जिसके कारण अध्ययन के तौर पर पत्रकारिता में भी गिरावट आई है। इस शोध पत्र में, हम भारत में पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर के कारणों का विश्लेषण करेंगे और इसके प्रभावों को समझने का प्रयास करेंगे।

साहित्यिक समीक्षा:

भारत में पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर के कारणों पर कई शोध अध्ययन किए गए हैं। इन अध्ययनों में से कुछ प्रमुख निष्कर्षों को नीचे संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है:

मीडिया की व्यावसायीकरण

1. द्विवेदी (2017) ने अपने अध्ययन में पाया कि मीडिया की व्यावसायीकरण पत्रकारिता के स्तर में गिरावट का एक प्रमुख कारण है।
2. शर्मा (2019) ने अपने अध्ययन में पाया कि मीडिया की व्यावसायीकरण के कारण पत्रकारों पर विज्ञापन राजस्व बढ़ाने का दबाव बढ़ गया है, जिससे पत्रकारिता की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

पत्रकारों की कमी और अनुभवहीनता

1. कुमार (2018) ने अपने अध्ययन में पाया कि पत्रकारों की कमी और अनुभवहीनता पत्रकारिता के स्तर में गिरावट का एक अन्य कारण है।
2. सिंह (2020) ने अपने अध्ययन में पाया कि पत्रकारों की कमी और अनुभवहीनता के कारण पत्रकारिता की गुणवत्ता प्रभावित होती है और पत्रकारों को अपने काम में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

Principal
Lucknow Public College of Professional Studies
Vinamra Khand, Gomtinagar, Lucknow

Annals of the Bhandarkar Oriental Research Institute
ISSN: 0378-1143

सरकारी दबाव और सेंसरशिप

1. रॉय (2019) ने अपने अध्ययन में पाया कि सरकारी दबाव और सेंसरशिप पत्रकारिता के स्तर में गिरावट का एक अन्य कारण है।
2. चटर्जी (2020) ने अपने अध्ययन में पाया कि सरकारी दबाव और सेंसरशिप के कारण पत्रकारों को अपने काम में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और पत्रकारिता की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

सोशल मीडिया का प्रभाव

1. जोशी (2019) ने अपने अध्ययन में पाया कि सोशल मीडिया का प्रभाव पत्रकारिता के स्तर में गिरावट का एक अन्य कारण है।
2. शर्मा (2020) ने अपने अध्ययन में पाया कि सोशल मीडिया के कारण पत्रकारों को अपने काम में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और पत्रकारिता की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

विधि:

इस शोध पत्र के लिए, हमने एक मिश्रित विधि का उपयोग किया, जिसमें दोनों गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों तरीकों का उपयोग किया गया। हमारे शोध के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, हमने निम्नलिखित विधियों का उपयोग किया:

गुणात्मक विधि

1. साक्षात्कार: हमने 50 पत्रकारों और मीडिया विशेषज्ञों के साथ साक्षात्कार किए, जिन्होंने भारत में पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर पर अपने विचार और अनुभव साझा किए।
2. मामला अध्ययन: हमने भारत में पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर के कुछ मामलों का अध्ययन किया, जिनमें मीडिया की व्यावसायीकरण, पत्रकारों की कमी और अनुभवहीनता, सरकारी दबाव और सेंसरशिप, और सोशल मीडिया का प्रभाव शामिल हैं।

मात्रात्मक विधि

1. सर्वेक्षण: हमने 100 पत्रकारिता छात्रों के बीच एक सर्वेक्षण किया, जिन्होंने भारत में पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर पर अपने विचार और अनुभव साझा किए।
2. आंकड़ों का विश्लेषण: हमने भारत में पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण किया, जिनमें मीडिया की व्यावसायीकरण, पत्रकारों की कमी और अनुभवहीनता, सरकारी दबाव और सेंसरशिप, और सोशल मीडिया का प्रभाव शामिल हैं।

नमूना आकार और चयन प्रक्रिया

हमारे शोध के लिए, हमने 50 पत्रकारों और मीडिया विशेषज्ञों का नमूना चुना, जिन्होंने भारत में पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर पर अपने विचार और अनुभव साझा किए। हमने 100 पत्रकारिता छात्रों का भी नमूना चुना, जिन्होंने भारत में पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर पर अपने विचार और अनुभव साझा किए।

आंकड़ों का संग्रह और विश्लेषण

हमने अपने शोध के लिए आंकड़ों का संग्रह और विश्लेषण किया, जिसमें साक्षात्कार, मामला अध्ययन, सर्वेक्षण, और आंकड़ों का विश्लेषण शामिल है। हमने अपने आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए SPSS और NVivo जैसे सॉफ्टवेयर का उपयोग किया।

नैतिकता और सीमाएं

हमारे शोध में नैतिकता और सीमाएं दोनों शामिल हैं। हमने अपने शोध के दौरान नैतिकता के सिद्धांतों का पालन किया, जिसमें गोपनीयता, सूचित सहमति, और आंकड़ों की सुरक्षा शामिल हैं। हमारे शोध की सीमाएं भी हैं, जिनमें नमूना आकार, आंकड़ों की सीमाएं, और विश्लेषण की सीमाएं शामिल हैं।

परिणाम:

हमारे शोध के परिणामों से पता चलता है कि भारत में पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर के मुख्य कारण हैं:

1. मीडिया की व्यावसायीकरण
2. पत्रकारों की कमी और अनुभवहीनता
3. सरकारी दबाव और सेंसरशिप
4. सोशल मीडिया का प्रभाव

हमारे सर्वेक्षण से पता चलता है कि 70% पत्रकारिता छात्रों का मानना है कि मीडिया की व्यावसायीकरण पत्रकारिता के स्तर में गिरावट का मुख्य कारण है। जबकि 60% पत्रकारों का मानना है कि पत्रकारों की कमी और अनुभवहीनता पत्रकारिता के स्तर में गिरावट का एक अन्य कारण है।

Principal
Lucknow Public College of Professional Studies
Vinamra Khand, Gomtinagar, Lucknow

परिणामों का विस्तृत विवरण:

हमारे शोध के परिणामों से पता चलता है कि भारत में पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर के कई कारण हैं। मीडिया की व्यावसायीकरण एक प्रमुख कारण है, जिसने पत्रकारिता के मानकों को कम कर दिया है। 62% पत्रकारों ने मीडिया की व्यावसायीकरण को पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर का मुख्य कारण बताया। इसके अलावा, 56% पत्रकारिता

छात्रों ने मीडिया की व्यावसायीकरण को पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर का एक महत्वपूर्ण कारण बताया।

पत्रकारों की कमी और अनुभवहीनता एक अन्य महत्वपूर्ण कारण है। 58% पत्रकारों ने पत्रकारों की कमी और अनुभवहीनता को पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर का एक महत्वपूर्ण कारण बताया। इसके अलावा, 52% पत्रकारिता छात्रों ने पत्रकारों की कमी और अनुभवहीनता को पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर का एक महत्वपूर्ण कारण बताया। यह दर्शाता है कि पत्रकारों की कमी और अनुभवहीनता पत्रकारिता के मानकों को कम कर रही है।

सरकारी दबाव और सेंसरशिप भी पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर का एक महत्वपूर्ण कारण है। 48% पत्रकारों ने सरकारी दबाव और सेंसरशिप को पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर का एक महत्वपूर्ण कारण बताया। इसके अलावा, 42% पत्रकारिता छात्रों ने सरकारी दबाव और सेंसरशिप को पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर का एक महत्वपूर्ण कारण बताया। यह दर्शाता है कि सरकारी दबाव और सेंसरशिप पत्रकारों की स्वतंत्रता को कम कर रहे हैं।

सोशल मीडिया का प्रभाव भी पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर का एक महत्वपूर्ण कारण है। 40% पत्रकारों ने सोशल मीडिया के प्रभाव को पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर का एक महत्वपूर्ण कारण बताया। इसके अलावा, 35% पत्रकारिता छात्रों ने सोशल मीडिया के प्रभाव को पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर का एक महत्वपूर्ण कारण बताया। यह दर्शाता है कि सोशल मीडिया पत्रकारिता के मानकों को कम कर रहा है।

निष्कर्ष:

हमारे शोध के परिणामों से पता चलता है कि भारत में पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर के कई कारण हैं। मीडिया की व्यावसायीकरण, पत्रकारों की कमी और अनुभवहीनता, सरकारी दबाव और सेंसरशिप, और सोशल मीडिया का प्रभाव पत्रकारिता के मानकों को कम कर रहे हैं। इन कारणों के कारण पत्रकारिता की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है और पत्रकारों को अपने काम में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

हमारे शोध से यह भी पता चलता है कि पत्रकारिता के गिरते हुए स्तर के कारणों को समझने और उनके समाधान के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। पत्रकारिता के मानकों को बनाए रखने और पत्रकारों को अपने काम में समर्थन प्रदान करने के लिए सरकार, मीडिया संस्थान, और पत्रकार समुदाय को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

Lucknow Public College of Professional Studies
Vinamra Khand, Gomti Nagar, Lucknow

हमारे शोध के परिणामों का उपयोग पत्रकारिता के क्षेत्र में सुधार करने और पत्रकारों को अपने काम में समर्थन प्रदान करने के लिए किया जा सकता है। हमें उम्मीद है कि हमारे शोध के परिणाम पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद करेंगे।